समुदाय उस वायदे को नहीं भूला है जो कि 1974 मे उसने किया था। इसका इतिहास बिहार के अखबारो और अखिल भारतीय अखबारो से पढने को मिल जायेगा। बिहार मे फिर 1974 की पुनरावृत्ति होने वाली है। जो मांगें विद्यार्थियो ने रखी थीं अगर उन मागो की पूर्ति नही होती है तो वे लोग फिर आन्दोलन और प्रदर्शन करेंगे। यह माग विरोध पक्ष के विद्यार्थी ही नही कर रहे है बल्कि सभी सगठनो के विद्यार्थी, जनता युवा, युवा जनता, छात्र युवा सघर्ष वाहिनी सभी इस माग का कर रहे हैं।

अध्यक्ष महोदय, आज सभी सगठनो के विद्यार्थी इस प्रदर्शन की तैयारी कर रहे है। विद्यार्थियो न जो 12 सूत्री मागे रखी थी कि भ्रष्टाचार और बेराजगारी का निवारण, महगाई का बन्द करना, शिक्षा मे आमूल परिवतन उन सभी का अभी तक नजरअन्दाज किया गया है। महगाई ता थाडी कम हुई है लेकिन भ्रष्टाचार [illegible] की दिशा म काई मजबूत कदम नही उठाया गया। शिक्षा म आमूल परिवतन विषय पर सचमच मे हम नीद म माए हुए है। यही कारण है कि फिर स विद्यार्थी बिहार का जगाना चाहते है।

गत 29 सितम्बर को सी०पी०आई० के द्वारा बहुत बड़ा जलस निकाला गया था। 4?? छात्र पटना सचिवालय के सामने गिरफ्तार हुए थ। 9 अक्टबर को दमन विराधी दिवस मनाया गया। बिहार एक बार पुन नेतत्व करने के लिए तैयार है। वहा के अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के एक बडे नता श्री सुशील मादी न कहा है कि स्थिति न बदलने पर आन्दोलन अवश्य होगा। यह बात केवल एक सगठन क विद्यार्थी ही नही कह रहे है बलिक सभी सगठनो के विद्यार्थी कह रहे है। छात्राओ ने भी यह कहा है कि छात्राए भी इसमे किसी तरह से पीछे नही रहेंगी।

इस लिए मैं, अध्यक्ष महोदय आपके माध्यम से सरकार को बताना चाहता हूं कि 1974 में विद्यार्थियो ने जो 12 सूत्री मागो को रखा था अगर उनको नजरअन्दाज किया जायेगा तो बिहार से फिर आन्दोलन होगा। बिहार छात्र युवा सघर्ष वाहनी ने लोकनायक श्री जयप्रकाश नारायण जी के सामने प्रदर्शन करने का जो प्रस्ताव रखा है और जिसको श्री जयप्रकाश जी ने आशीर्वाद दिया है और कहा है कि इसको ग्रामीण क्षेत्रो मे ही अधिकतर महदूद रखो और यह देखत रहो कि काई भी शासक वर्ग—चाहे पुराना हो या नया हो—वही सो न जाए उस प्रस्ताव का टाला न जा सकेगा।

इसी तरह से गत 14 दिसम्बर को सी०पी०एम० द्वारा पटना बद हुआ था। 15 दिसम्बर को पटना मेडिकल कालेज बन्द हुआ। सब से बडी बात यह है कि 18 माच का फिर बिहार म एक आन्दोलन और प्रदर्शन की तैयारी हो रही है। 19 माच का श्रीमती इदिरा गाधी का अशुभ चरण वहा पड रहा है। शासक वग स और जनता पार्टी क मत्रिया से मेरा निवेदन है कि विद्यार्थियो ने जो बारह सूत्री माग रखी थी अगर उसकी दिशा म जल्दी से कारगर और ठास कदम नही उठाया गया ता फिर बिहार म एक अग्नि भडकेगी और सम्पूण भारत का आत्मसात कर लेगी।

(iii) PLIGHT OF BRICK-KILN WORKERS IN AND AROUND DELHI

श्री ओम प्रकाश त्यागी (बहराइच) मैं एक अति महत्वपूर्ण विषय की ओर सरकार का ध्यान दिलाना चाहता हू। बधक मजदूर प्रथा कानूनन बन्द हो गई है। परन्तु दिल्ली म ही लगभग पचास हजार मजदूर बधको के रूप मे रह रहे है। 350 इटे बनाने के भटटे यहा हैं जिन मे पचास हजार के करीब मजदूर काम करते है। उन मजदूरो को जिनमे अधिकाश हरिजन और पिछडे लोग होते हैं राजस्थान आदि प्रान्तो के ठेकेदारो के द्वारा जो इन भटटा मालिको के एजेंट होते हैं और जिनको जमादार बोलते हैं बहका कर ले आया जाता है और

[श्री ओम प्रकाश त्यागी

यह कह कर ले आया जाता है कि हम तुम्हें मजदूरी दिलायेंगे। तीन तीन रुपये के हिसाब से उनको मजदूरी एडवांस दे दी जाती है और इस प्रकार से एक षड्यंत्र रच कर उनको यहां ले आया जाता है। ठेकेदार भी मजदूरों की मजदूरी में से पैसा लेता है और जो भट्टा मालिक होता है वह क्या करता है कि उनको आटे के रूप में और चावल के रूप में खर्चा दे देता है और अपने हिसाब में सब खर्चा लिख लेता है। आखिर जब सीजन समाप्त होता है तब हिसाब करता है। आपको सुन कर आश्चर्य होगा कि हिसाब निकालने के बाद उनको बता दिया जाता है कि उनकी तरफ और रुपया निकलता है और उनको तनख्वाह देने के बजाय उनके खिलाफ और रुपया निकाल दिया जाता है और रुपया निकालने के बाद यह कह दिया जाता है कि या तो वह रुपया अदा कर दें नहीं तो उनके परिवार के लोगों को नहीं जाने दिया जायेगा और परिवार के लोगों को जबर्दस्ती रख लिया जाता है। यह इसलिए भी किया जाता है ताकि अगले सीजन में वे लोग काम करने के लिए आयें। वहां पर रहने का जो मालिक लोग उनका खर्चा करते हैं उस खर्चे में और झूठा खर्चा बना कर और जोड़ कर उनके जिम्मे पैसा निकाल दिया जाता है। वे बेचारे अनपढ़ लोग होते हैं और हिसाब किताब नहीं जानते हैं। कुछ मजदूर उस गुलामी में से निकलने की कोशिश करते हैं तो उनके परिवार वालों को होस्टेजिज़ के रूप में रख लिया जाता है, जो मालिक है चाहे वहां काम न भी हो तो भी उनको रख लेता है। इस प्रकार वे बेचारे जिन्दगी भर उनके चंगुल से निकल नहीं पाते हैं। वे राजस्थान आदि हिस्सों में जाते हैं और जो वहां मनी लैंडर होता है, धनी लोग होते हैं उन से कर्जा लेकर आते हैं ऊंची दर पर और यहां कर्जा चुकाने की कोशिश करते हैं। इस प्रकार से उनके साथ अन्याय हो रहा है। आपने पांच रुपया मजदूरी देने का कानून बनाया है लेकिन उनको नहीं मिल रही है। यह अन्याय उनके साथ हो रहा है, कोई योजना नहीं है। उनकी तरफ से आवाज उठाने वाला कोई नहीं है। उनकी यूनियन नहीं है। गवर्नमेंट की तरफ से कोई मशीनरी नहीं बनाई गई है जो जांच करे। मैं प्रार्थना करता हूं कि उनकी तरफ आपका ध्यान जाये। इन मजदूरों ने बोट क्लब पर आ कर प्रदर्शन भी किया था, वे वहां पड़े रहे, उनके बीवी बच्चे पड़े रहे लेकिन उनकी सुनवाई नहीं हुई। मैं प्रार्थना करता हूं कि इन मजदूरों को आप बंधक प्रथा से मुक्त करें और बाकायदा उनको कानून के हिसाब से मजदूरी दिलाएं। इसके बारे में कुछ न कुछ व्यवस्था सरकार की ओर से होनी चाहिए।

(iv) HARDSHIPS FACED BY TOBACCO GROWERS IN ANDHRA PRADESH

SHRI SAMAR MUKHERJEE (Howrah) Sir, under rule 377 of the Rules of Procedure and Conduct of Business of the Lok Sabha, I want to raise the following urgent issue and request that the Minister concerned may make a statement on that.

The tobacco growers in Andhra Pradesh, particularly in areas like Guntur, Krishna, Nellore and Khammam districts where Virginia tobacco is grown, are suffering a lot since the tobacco traders in general, and the monopoly traders like ILTD etc in particular, are refusing to purchase the stock They are compelling the growers to sell at a distress price, which means only 50 per cent of the normal price The growers who are already faced with a terrible loss due to the cyclone, are now put to further ruin by the traders They refuse to purchase tobacco at the indicated prices fixed by the Tobacco Board since they are not statutory They also refuse to limit grading only to eight categories, and want to grade as they like Since the Government does not provide funds to the Tobacco Board to purchase stocks at a fair price in season and dispose it of later, the gro-